भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है।

- शरत कमल

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, पंत की साहस की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच, विश्व लीजेंड्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के नहीं खेलने के फैसले पर कहा, मैं हमेशा कहता हूं कि अगर मैच खेलना है तो हर जगह हो और अगर नहीं खेलना है तो कहीं भी किसी भी मंच पर बिल्कुल नहीं हो। अगर आप द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेल रहे हैं तो आपको अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी नहीं खेलना चाहिए, मेरा यही मानना है। लेकिन सरकार और बोर्ड जो भी फैसला करेंगे वही होगा।और इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में चल रहे चौथे टेस्ट में भारत के प्रदर्शन जैसे क्रिकेट के कुछ सबसे चर्चित मुद्दों पर बात की।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर ने वनडे क्रिकेट में 145 बार फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया है, जिसमें उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए हैं।

जडेजा और सुंदर के साहसिक शतकों से चौथा टेस्ट मैच हुआ ड्रा

मैनचेस्टर, 27 जुलाई। रवींद्र जडेजा (नाबाद 107) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 101) के जुझारू और साहसिक शतकीय पारियों बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के पांचवें दिन चार विकेट पर 425 का स्कोर खड़ा कर मुकाबले को ड्रा करा दिया।

चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी जडेजा और वॉशिंगटन सुदंर की जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने शतक पूरे किये। पहले जडेजा ने अपना शतक पूरा किया। जडेजा ने 185 गेंदों में 13 चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 107) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। 143वें ओवर की आखिरी पर सुंदर दो रन बनाकर अपना शतक पूरा किया। इसके साथ ही दोनों टीमों ने हाथ मिलाकर मैच ड्रा घोषित किया। भारतीय क्रिकेट इतिहास में यह पहली बार है तीन बल्लेबाजो ने दूसरी पारी में शतक जड़ा है।

इसे पहले भारत चायकाल तक चार विकेट पर 322 रन बनाकर दूसरी पारी में 11 रन की बढ़त बना ली थी। इंग्लैंड को पहली पारी में 311 रन की बढ़त हासिल थी। भारत ने पिछले सेशन के अंत में जरूर कप्तान शुभमन गिल का एक अहम विकेट गंवाया लेकिन यहां पर इस सेशन में वॉशिंगटन सुंदर ओर रवींद्र जडेजा ने सुनिश्चित किया कि कोई और विकेट ना गिरे और पांचवें विकेट के लिए 100 रनों की नाबाद साझेदारी करके दिखाई। दोनों अर्धशतक लगा चुके हैं और अब देखना होगा कि यह आखिरी सेशन इस मैच का क्या परिणाम निकालता है।

रवींद्र जडेजा ने पहली बार एक टेस्ट सीरीज में 400 से अधिक रन और पांच 50 से अधिक स्कोर बनाया है। जडेजा अब तक 102 गेंदों पर नाबाद 53 रन में पांच चौके लगा चुके हैं जबकि सुंदर ने 139 गेंदों पर नाबाद 57 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया है। इससे पहले भारत ने कल के दो विकेट पर 174 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में केएल राहुल ने अपने स्कोर में तीन रन जोड़े थे कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने उन्हें पगबाधा आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। केएल राहुल ने 230 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 90 रन बनाये। इंग्लैंड को पहले सेशन में दो बहुमूल्य विकेट मिले हैं। केएल राहुल शतक से चूके तो शुभमन गिल ने अपने करियर का नौवां और सीरीज का चौथा शतक बनाया लेकिन भारत अभी भी मुश्किलों में है। उन्होंने इस सेशन 26 ओवर में 49 रन बनाए हैं, जबकि दो विकेट गंवाए हैं। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये वॉशिंगटन सुंदर ने गिल के साथ संभल कर खेलते हुए धीमी गति से स्कोर को आगे बढ़ाया। इसी दौरान 83वें ओवर की आखिरी गेंद पर शुभमन गिल ने वोक्स की गेंद पर एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया। गिल ने इस टेस्ट सीरीज के अपने चौथे शतक के लिये 228 गेंदों का सामना किया। यह शुभमन गिल के टेस्ट करियर का सबसे धीमा शतक है। इसी के साथ गिल सचिन तेंदुलकर के बाद मैनचेस्टर में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गये। सचिन ने इसी मैदान पर 1991 में शतक जड़ा था।

इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स ने दो विकेट लिये। बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जडेजा 30 से अधिक विकेट और एक हजार से अधिक रन बनाने वाले तीसरे विदेशी खिलाड़ी बने

मैनचेस्टर, 27 जुलाई। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने किसी एक देश में आज एक हजार से अधिक रन और 30 से अधिक विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। एक हजार से अधिक रन और 30 विकेट लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों की सूची में भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का नाम भी शामिल हो गया। यहां चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल के आउट होने के बाद बल्लेबाज करने आये जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए यह उपब्लधि हासिल की। वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स, इंग्लैंड में 1820 रन और 62 विकेट लेकर इस मामले में शीर्ष पर है। इस मामले में इंग्लैंड के विल्फ्रेड रोड्स ऑस्ट्रेलिया में 1032 रन और 42 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर है। अब भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा इंग्लैंड में 1021 रन, 34 विकेट के साथ यह हासिल करने वाले तीसरे विदेशी खिलाड़ी बन गये है।

148 वर्षों में पहली बार इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में चार शतक जड़ने वाले पहले कप्तान बने शुभमन

मैनचेस्टर, 27 जुलाई। गिल ने लीड्स में 147 रन, एजबेस्टन की पहली पारी में 269 रन और दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे। मैनचेस्टर की दूसरी पारी में वह238 गेंद में 12 चौके की मदद से 103 रन बनाकर आउट हुए।

प्रिंस के नाम से मशहूर भारत के स्टार बल्लेबाज और कप्तान शुभमन गिल ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट में शतक जड़ा। उन्होंने पांचवें दिन भारत की दूसरी पारी में 228 गेंद में शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का नौवां और इस सीरीज का चौथा शतक रहा। इससे पहले उन्होंने लीड्स में एक और एजबेस्टन टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ा था। इसी के साथ भारतीय कप्तान ने इतिहास रच दिया है। वह टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में इंग्लैंड में चार शतक लगाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। इतना ही नहीं गिल बतौर कप्तान डेब्यू सीरीज में चार शतक लगाने वाले भी पहले खिलाड़ी हैं। इस स्टार बल्लेबाज ने क्रिस वोक्स की गेंद पर एक रन लेकर शतक पूरा किया।

उन्होंने रविवार को इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक ठोका है। गिल ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में संयम के साथ बैटिंग करते हुए 238 गेंदों में 103 रन बनाए। उन्होंने 12 चौके लगाए। पांचवें दिन लंच ब्रेक से पहले पेसर जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। ये 25 वर्षीय बल्लेबाज के टेस्ट करियर की नौवीं सेंचुरी है।

गिल मैनचेस्टर के मैदान पर टेस्ट सेंचुरी जड़ने वाले 9वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 35 साल का शतकीय सूखा समाप्त किया है। दरअसल, गिल से पहले मैनचेस्टर में शतक जड़ने वाले भारतीय प्लेयर सचिन तेंदुलकर थे। सचिन ने 1990 में यहां इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 189 गेंदों में 17 चौकों की बदौलत नाबाद 119 रन बनाए थे। ये महान बल्लेबाज सचिन के करियर का पहला टेस्ट शतक था।

ब्रैडमैन-गावस्कर के क्लब में की एंट्री

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में चौथी शतकीय पारी खेली है। उन्होंने सरडॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर के धाकड़ क्लब में एंट्री मारी है। गिल बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा चार शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज ब्रैडमैन ने 1947/48 में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार शतक जमाए। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ऐसा किया।

कोहली की बराबरी

गिल एक टेस्ट सीरीज में भारत के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले प्लेयर बन चुके हैं। उन्होंने गावस्कर और विराट कोहली की बराबरी की है। गावस्कर ने 1971 और 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार-चार शतक लगाए थे। वहीं, स्टार बल्लेबाज कोहली ने 2014/15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में इतने सेंचुरी लगाई थीं। गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 700प्लस रन बनाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

गिल ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद गिल को टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया। उन्होंने इस मौके का भरपूर लाभ उठाया और चयनकर्ताओं को सही साबित किया। बल्ले से गिल धमाल मचा रहे हैं। वह इंग्लैंड में किसी टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के रन मशीन मोहम्मद यूसुफ के नाम था। यूसुफ ने 2006 में चार मैचों की सात पारियों में 90.14 की औसत से 631 रन बनाए थे। गिल ने 19 साल पुराना यह रिकॉर्ड तोड़ दिया।

93 साल में पहले एशियाई खिलाड़ी

एशियाई देशों में भारतीय टीम इंग्लैंड का दौरा करने वाली पहली टीम थी। 1932 में भारत ने ऐसा किया था। इसके बाद पिछले 93 साल में गिल ही एशियाई बल्लेबाजों में इंग्लैंड में किसी एक टेस्ट सीरीज में 700 रन का आंकड़ा पार कर पाए।इतना ही नहीं, शुभमन गिल एक टेस्ट सीरीज 700 से ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बन गए। गिल ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली। वह तीसरे ऐसे मेहमान कप्तान हैं, जिसने इंग्लैंड में किसी टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाए।

केएल और गिल ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

दूसरी पारी में भारत की शुरुआत झटकों के साथ हुई। यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन को क्रिस वोक्स ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद मोर्चा केएल राहुल और शुभमन गिल ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 421 गेंदों में 188 रनों की साझेदारी हुई। पांचवें दिन बेन स्टोक्स ने इस साझेदारी को तोड़ा और केएल को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 230 गेंदों में आठ चौके की मदद से 90 रन बनाकर आउट हुए। इस तरह केएल राहुल और शुभमन गिल ने इंग्लैंड में किसी भी भारतीय जोड़ी द्वारा एक टेस्ट में सबसे ज्यादा गेंदें खेलने का रिकॉर्ड बनाया। पिछला रिकॉर्ड संजय बांगर और राहुल द्रविड़ (405) के नाम था, जो उन्होंने 2002 में लीड्स में बनाया था।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया

बासटेयर 27 जुलाई। कैमरून ग्रीन (नाबाद 55), जॉश इंग्लिस (55) और ग्लेन मैक्सवेल (47) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को चार गेंद शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान मिचेल मार्श (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद जॉश इंग्लिस और ग्लेन मैक्सवेल की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 65 रन जोड़े। सातवें ओवर में रोमारियो शेफर्ड ने जॉश इंग्लिस 30 गेंदों में 51 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 11वें ओवर में अकील हुसैन ने ग्लेन मैक्सवेल 18 गेंदों में (47) को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई तूफान को रोक दिया। इसके बाद मिचेल ओवेन (दो) और कूपर कॉनली (शून्य) के विकेट गिरने के बाद वेस्टइंडीज को जीत की उम्मीद जगी। लेकिन ऐरन हार्डी ने कैमरून ग्रीन के साथ छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़ कर ऑस्ट्रेलिया को जीत की ओर अठासर कर दिया। ऐरन हार्डी 16 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुये। जेवियर बार्टलेट (नौ) रन आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया ने 19.2 ओवर में सत विकेट पर 206 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। कैमरून ग्रीन 35 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से (नाबाद 55) रनों की पारी खेली।

वेस्टइंडीज की ओर से जेडाया ब्लेड्स ने तीन विकेट लिये। जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड और अकील हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत की। दूसरे ओवर में जेवियर बार्टलेट ने ब्रैंडन किंग (18) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। वेस्टइंडीज का दूसरा विकेट शाई होप (10) के रूप में गिरा। उन्हें भी बार्टलेट ने आउट किया। रॉस्टन चेज (शून्य) पर आउट हुये। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड 15 गेंदों में 31 रन बना कर आउट हुये। एक समय वेस्टइंडीज ने 67 के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा दिये थे। ऐसे में रोवमैन पॉवेल ने शिमरोन हेटमायर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को संभालने का प्रयास। हेटमायर 16 रन और पॉवेल ने 28 रन बनाकर आउट हुये। इनके अलावा रोमारियो शेफर्ड ने 28, जबकि जेसन होल्डर ने 26 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 205 रनों का स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने तीन विकेट लिये। ऐरन हार्डी, जेवियर बार्टलेट और शॉन ऐबट ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

जिला एथलेटिक संघ जयपुर के निर्वाचन संपन्न

जयपुर , 27 जुलाई। जिला एथलेटिक संघ जयपुर के चुनाव लिटिल कॉर्नर एसके पैराडाइज होटल, लाल कोठी सब्जी मंडी, जयपुर में प्रात: 11:30 बजे सफलता पूर्वक संपन्न हुए। चुनाव का संचालन चुनाव अधिकारी एन एस यादव के मार्गदर्शन में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

चुनाव में राजस्थान एथलेटिक संघ के संयुक्त सचिव सुरेन्द्र गुर्जर, क्रीड़ा परिषद जयपुर से मान सिंह, तथा जयपुर जिला ओलंपिक संघ के गिर्राज खंडेलवाल पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

निर्वाचन रजिस्ट्रार संस्थाओं द्वारा अनुमोदित दिनांक 21.07.2025 की रजिस्टर्ड 20 क्लबों की सूचीके आधार पर सम्पन्न किया गया।

उल्लेखनीय है कि कुल 20 में से 19 क्लबों ने सक्रिय रूप से चुनाव में भाग लिया। और यह चुनाव अगले चार वर्षों के लिए हुए हैं।

निर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यइस प्रकार हैं-

अध्यक्ष: देवी शंकर, उपाध्यक्ष हीरानंद कटारिया, सचिव गोपाल सैनी, कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव राजेंद्र मीणा, जगदीश कौर, सदस्यगण गुरिंदर चोपड़ा, ललित शर्मा, जगदीश सिंह।

शिखर धवन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में भारतीय चैंपियंस टीम के प्रयासों की सराहना की

लीड्स, 27 जुलाई। शिखर धवन ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में नाबाद 91 रनों की पारी खेली और आखिरी ओवर में मैच हारने के बावजूद अपनी टीम के प्रयासों की सराहना की। मैच के बाद, धवन ने टीम के जुझारूपन पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हमने अपना सब कुछ झोंक दिया। ये ऐसे मैच हैं जो खेल के प्रति हमारे प्यार को दर्शाते हैं। अंत तक यह एक शानदार मुकाबला था। मुझे खिलाड़ियों पर गर्व है कि उन्होंने जज्बा दिखाया। हमारे साथ खड़े रहने वाले सभी प्रशंसकों का धन्यवाद - आपकी ऊर्जा हमारे लिए बहुत मायने रखती है।

टीम के मालिक सुमंत ने टीम के प्रदर्शन की प्रशंसा की और इंडिया चैंपियंस के पीछे के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला: आज का मैच सिर्फ स्कोरबोर्ड के बारे में नहीं था, बल्कि भारतीय क्रिकेट की विरासत को जुनून और गर्व के साथ प्रस्तुत करने के बारे में था। इस टीम ने संघर्ष, जोश और चैंपियंस जैसा जज्बा दिखाया। भले ही हम आज रात अपनी सीमा पार न कर पाए हों, लेकिन हम कुछ

बड़ा कर रहे हैं - दिग्गजों के लिए एक ऐसा मंच जो एक बार फिर प्रेरणा दे। सफर जारी है। इंडिया चैंपियंस अपने दुनिया भर के समर्थकों को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं और टूर्नामेंट को मजबूती से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स 2025 में कई सितारे युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इयोन मोर्गन, मोइन अली, सर एलिस्टेयर कुक, एबी डिविलियर्स, हाशिम अमला, क्रिस मॉरिस, वेन पार्नेल, क्रिस गेल, डीजे ब्रावो, कीरोन पोलार्ड और अन्य शामिल हैं।

आईटीबीपी ने कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार को हराया

कोकराझार, 27 जुलाई। डूरंड कप में पदार्पण कर रही इंडो तिब्बतन बॉर्डर पुलिस एफटी ने 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के ग्रुप डी के पहले मैच में दस पुरुषों वाली कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी को 2-1 से हरा दिया। यह मैच यहां साई स्टेडियम में खेला गया। लुनमिनलेन हाओकिप ने कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी को बढ़त दिलाई, लेकिन पुलुंग डायमरी और हेमराज भुजेल के गोलों ने अर्धसैनिक बल को जीत और तीन महत्वपूर्ण अंक दिलाए।

कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी के मुख्य कोच सी ए लालदिनसांग पुदैते ने एक मजबूत लाइन-अप का चयन किया जिसमें जोसेफ ओलालेये, विक्टर जैक्सन और बेन नैश क्वांश जैसे तीन विदेशी खिलाड़ी शामिल थे, जबकि आईटीबीएफ एफटी के मुख्य कोच सुरोजीत कुमार ने पारंपरिक 4-4-2 फॉर्मेशन में एक मजबूत लाइन-अप का चयन किया।

दोनों ही टीमें मिडफील्ड पर कब्जा करने की कोशिश कर रही थीं, जिससे एक रोमांचक मुकाबला हुआ और दोनों टीमें मैदान के बीचों-बीच एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रही थीं। आई-लीग 3 में खेलने वाली केएएमएसएफसी की टीम 23वें मिनट में ही दस खिलाड़ियों पर सिमट गई।

इटली ने पोलैंड को हराकर महिला वीएनएल के फाइनल में प्रवेश किया

वारसॉ, 27 जुलाई। मौजूदा चैंपियन इटली ने शनिवार को 2025 एफआईवीबी महिला वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) के सेमीफाइनल में मेजबान पोलैंड पर सीधे सेटों में शानदार जीत के साथ अपनी जीत का सिलसिला 28 मैचों तक बढ़ा दिया।

अनुभवी कोच जूलियो वेलास्को के नेतृत्व में, इटली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हर सांख्यिकीय वर्ग में पोलैंड को पछाड़ दिया। गत चैंपियन ने पोलैंड के 30 किल के मुकाबले 51 किल दर्ज किए और मेजबान टीम के छह ब्लॉकों के मुकाबले 11 ब्लॉक दर्ज किए। टीम की कप्तान और मिडिल ब्लॉकर अन्ना दानेसी ने नेट पर सभी खिलाड़ियों का नेतृत्व करते हुए पांच ब्लॉक लगाए।पाओला एगोनू ने एक बार फिर इटली के आक्रमण का नेतृत्व किया और मैच में सर्वाधिक 17 अंक बनाए, जिसमें 15 किल, एक ब्लॉक और एक ऐस शामिल हैं। आउट साइड हिटर एलिस डेठाडी ने 13 अंक बनाए, जबकि मिडल ब्लॉकर एग्निस्का कोर्नेलुक ने 11 अंकों के साथ पोलैंड का नेतृत्व किया।

गिल को अंग्रेजी प्रशंसकों से मिली तालियां मेरे लिए यादगार रहीं: ट्रॉट

मैनचेस्टर, 27 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट के पांचवें दिन रविवार को पहले सत्र के बाद, मैच सेंटर लाइव पर चर्चा सुबह के महत्वपूर्ण समय और शुभमन गिल के आउट होने पर केंद्रित रही। विशेषज्ञ संजय मांजरेकर और जोनाथन ट्रॉट ने उन महत्वपूर्ण क्षणों पर अपने विचार साझा किए जिन्होंने भारत की बल्लेबाजी चुनौती को आकार दिया। जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ संजय मांजरेकर ने शुभमन गिल के विकेट पर टिप्पणी की, शुरुआत में भारत के लिए सबसे बड़ी बाधा हमेशा पहले 30 मिनट ही रहे। भारत को अनिवार्य रूप से फैक्टरी रीसेट करना था और कल बल्लेबाजी करते समय दिखाई गई मानसिकता और लय को फिर से हासिल करना था। यह कभी आसान नहीं होता। दूसरी नई गेंद भी एक चुनौती होने वाली थी- और ठीक इसी तरह चीजें सामने आईं। उन्होंने केएल राहुल का विकेट जल्दी खो दिया, और जैसे ही दूसरी नई गेंद ली गई, दबाव बढ़ गया।

शुभमन गिल के बारे में, शतक पूरा करने के बाद, सवाल यह है-क्या उन्होंने आराम किया? लेकिन यह थोड़ा कठोर हो सकता है। दूसरी नई गेंद से कम से कम एक बल्लेबाज आउट होने की संभावना थी, और दुर्भाग्य से भारत के लिए, वह गिल ही थे।

प्रवीण और सीमा ने जीता रजत पदक

राइन-रुहर (जर्मनी), 27 जुलाई। भारतीय एथलीट प्रवीण चित्रवेल ने पुरुष ट्रिपल जंप स्पर्धा और सीमा ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीते। एफआईएसयू विश्व विश्वविद्यालय खेलों में शनिवार को भारत ने एथलीट वर्ग में दो रजत पदक जीते। प्रवीण चित्रवेल ने पुरुष ट्रिपल जंप में 16.66 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया के कॉनर ने 16.77 मीटर की सीजन सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ स्वर्ण अपने नाम किया।

राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अगले राउंड में

जयपुर, 27 जुलाई। राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का आज शाम मुख्य अतिथि प्रवीण गुप्ता आईएएस एडिशनल चीफ सेक्रेटरी सार्वजनिक निर्माण विभाग व विशिष्ट अतिथि राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव केके शर्मा व रिटायर्ड चीफ जस्टिस एन के जैन, रिक्वायर्ड आरएएस राजपाल यादव द्वारा किया गया।

इस मौके पर ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री मनोज दासोत ने मुख्य अतिथि प्रवीण गुप्ता का परिचय खिलाड़ियों से करवाया। प्रवीण गुप्ता ने सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया तथा आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्य अतिथि प्रवीण गुप्ता ने प्रथम शटल फेक टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन किया।

इस मौके पर समाज सेवी अजय पुरोहित व राजस्थान बैडमिंटन के कोचिंग हेड अतुल गुप्ता भी मौजूद थे। आज खेले गए प्रमुख मुकाबलो में पुरुष एकल के प्रथम वरीयता प्राप्त मनीष फौगाट ने उदयपुर के मोहित कुमावत को आसानी से 21-7 ,21-2 से हराया वही पांचवीं वरीयता प्राप्त भरतपुर के भुवन सिंह ने बीकानेर के राहुल खत्री को 21 -19, 21-12 से परास्त किया। एक अन्य मैच में चूरू के वरीयता प्राप्त तक्ष भाटी ने जयपुर के दिनेश चौधरी को 21-12,21-16 से परास्त किया।

बॉयज सिंगल्स अंदर 19 मे प्रथम वरीयल के भीलवाड़ा के हर्ष ट्रेलर ने बीकानेर के लविश मलिक को 21- 10, 21 -5 ,से परास्त किया। लड़कों के अंदर-19 एक अन्य मैच में बीकानेर के तीसरी वरीयता प्राप्त भुवनेश ओझा ने प्रणव को 21-7 ,21 -12 से हराया। अंडर-19 में दूसरी वार्ता प्राप्त जयपुर के गुरतेज सिंह बसीर ने जयपुर के ही सनी जांगिड़ को 21 -17, 21-16 से परास्त कर अगले राउंड में प्रवेश किया। लड़कियों के अंदर-19 एकल में जयपुर की वरीयता प्राप्त सौम्या भटनागर ने टोंक की कौसर को सीधे व आसन गमों में 21-8, 21-9 से परास्त किया। मनोज दासोत के अनुसार कल प्री क्वार्टर के मैच तथा डबल, मिक्स डबल्स के मैच खेले जाएंगे। एक अन्य और कड़े संघर्ष में लगभग 56 मिनट चले तीसरी वरीयता के बीकानेर के वंश शर्मा और जयपुर के कपिल दीके मैच में तीन गेमों में वंश शर्मा ने 21- 13, 19 -21, 10 से कपिल दी को परास्त किया और अगले राउंड में प्रवेश किया।

फैजान हसन ने पिस्टल में लगाया गोल्डन निशाना

जयपुर, 27 जुलाई। महावीर शूटिंग अकादमी के उभरते हुए युवा निशानेबाज़ फैजान हसन ने सीआईएससीई गेम्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पिस्टल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर न केवल अपने कोच और परिजनों, बल्कि पूरे नागौर और राजस्थान का नाम रोशन कर दिया। फैजान, नागौर के देहरी मोहल्ले से हैं, और उनके पिता हुसैन हसन का सपना आज बेटे ने पहली सीढ़ी पर साकार कर दिखाया। कोच महावीर सिंह ने बताया कि फैजान ने बेहद कम समय में निशानेबाजी की बारीकियों को आत्मसात किया है, वह नया खिलाड़ी है लेकिन उसके अंदर जुनून, अनुशासन और सीखने की अद्भुत क्षमता है। वह न केवल एक होनहार शूटर है, बल्कि आने वाले समय में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने की पूरी काबिलियत रखता है।

फैजान ने अपने गोल्ड मेडल के बाद कहा कि वह इस सफलता को सिर्फ एक शुरुआत मानते हैं। उनका लक्ष्य है कि एक दिन वे भारत के लिए ओलंपिक और विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतें और अपने परिवार व देश का नाम गौरवान्वित करें। कोच ने फैजान को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, "सफर अभी शुरू हुआ है। मेहनत, अनुशासन और लगन से वह एक दिन विश्व स्तर पर भारत का परचम लहराएगा। फैजान की यह जीत हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी।" फैजान की यह उपलब्धि न केवल नागौर जैसे छोटे शहरों के युवाओं की क्षमताओं का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि यदि सही मार्गदर्शन और समर्पण मिले, तो कोई भी अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच सकता है।